तनख्वाह नहीं मिलने से नाराज सुरक्षा गार्ड हड़ताल पर गए, एनएमआरसी ने एफआईआर दर्ज कराई

ग्रेनो मेट्रो के पांच स्टेशनों में दो घंटे तक प्रवेश बंद रहा

नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

नोएडा-ग्रेनो मेट्रो लाइन के पांच स्टेशनों पर तैनात सुरक्षा गार्ड करीब दो महीने से तनख्वाह नहीं मिलने पर बुधवार को हड़ताल पर चले गए। काम बंद कर ये लोग सुबह 6 से 8 बजे तक स्टेशन के बाहर आ गए। जांच नहीं होने पर पीएसी ने सवारियों को अंदर नहीं जाने दिया। ऐसे में दो घंटे तक लोगों को इस लाइन पर दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

इस लाइन पर 21 मेट्रो स्टेशन हैं। स्टेशनों पर सवारियों की जांच का जिम्मा आयरन मैन सिक्योरिटी सर्विसेज के पास है। इन स्टेशनों पर पीएसी के जवान भी सुरक्षा का काम संभालते हैं। बुधवार को इस लाइन के सेक्टर-81, 83, 101, 137 और एनएसईजेड स्टेशन पर सुबह छह बजे सिक्योरिटी एजेंसी के पुरुष-महिला सुरक्षा गार्डों ने हड़ताल कर दी। करीब दो महीने से तनख्वाह नहीं मिलने पर ये गार्ड सवारियों की जांच का काम बंद कर स्टेशन के बाहर आ गए। सवारियों की जांच नहीं होने पर पीएसी के जवानों ने उनको प्लेटफॉर्म पर जाने नहीं दिया। इस कारण स्टेशनों पर सवारियों की भीड़ बढ़ती गई। इस मामले की जानकारी स्टेशन प्रभारियों ने एनएमआरसी के अधिकारियों को दी। आनन-फानन में एनमआरसी के कार्यकारी निदेशक पीडी उपाध्याय सहित कई अधिकारी स्टेशन पहुंच गए और सिक्योरिटी एजेंसी के कंपनी के अधिकारियों को भी बुला लिया। अधिकारियों के समझाने के बाद करीब 8 बजे गार्ड ड्यूटी पर लौटे। इसके बाद सवारियां अंदर जा सकीं।

इस मामले में एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक पीडी उपाध्याय ने बताया कि संबंधित सुरक्षा कंपनी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है और भविष्य में ऐसी लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी दी है। उन्होंने बताया कि हर महीने की 7 तारीख तक गार्डों को तनख्वाह देने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा संबंधित कंपनी व गार्डों के खिलाफ फेज टू कोतवाली में मामला दर्ज करा दिया गया है। निदेशक ने बताया कि कंपनी ने जवाब में आगे से लापरवाही न होने का आश्वासन दिया है।

दूसरे परिवहन साधनों से गए लोग

मेट्रो में नहीं चढ़ पाने के कारण लोग मजबूरी में दूसरे परिवहन साधनों से गंतव्य तक गए। अधिकारियों का कहना है कि सुबह छह बजे के आसपास सभी पांच स्टेशनों पर 10-12 लोगों ने ही टोकन लिया था। बाकी लौट गए थे।

पीएसी वालों को करनी चाहिए थी जांच : कार्यकारी निदेशक का कहना है कि अगर सुरक्षा कर्मी हड़ताल पर चले गए थे तो इस स्थिति में पीएसी के जवानों को सवारियों की जांच करनी चाहिए थी। इससे सवारियां परेशान होने से बच जातीं।